[This question paper contains **4** printed pages]

Your Roll No……

Sr. No. of Question Paper	**:**	**3312**
Unique Paper Code	:	2413080028
Name of the Paper	:	ENVIRONMENTAL ACCOUNTING
Type of the Paper	:	DSE
Semester	:	VI
Programme	:	B.Com. (H.)

Duration : 3 Hours **Maximum Marks : 90**

Instructions for Candidates:

• Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

• Attempt any five questions out of the eight questions.

Q1. Critically analyse the evolution of the "Triple Bottom Line" (TBL) approach. How does it transition corporate accountability from purely economic profit-maximization to a broader socio-environmental framework? Also, give examples of how companies measure the 'People' and 'Planet' metrics. (18)

Q2. Distinguish between Financial Accounting with Social Accounting. Also, discuss the limitations of conventional financial statements in reflecting a firm's true operational cost to society? (18)

Q3. Evaluate the statutory provisions for Corporate Social Responsibility (CSR), under Section 135 of the Indian Companies Act, 2013. Also, explain the criteria for applicability, mandatory spending limits, and the implications of the "comply or explain" mandate for large conglomerates. (18)

Q4. Discuss the methodology and strategic role of a "Social Audit." How does a social audit function as a rigorous internal control mechanism for management, as opposed to merely serving as an external public relations tool? (18)

Q5. (a) Define "Social Costs" and "Social Benefits" with relevant heavy-industry examples. Also, discuss the primary challenges accountants face while they assign a monetary value to environmental degradation or community welfare? (18)

Q6. Examine the role of the Global Reporting Initiative (GRI) standards in sustainability reporting. Does the standardization of social accounting practices effectively prevent corporate manipulation of environmental data, or does it risk becoming a superficial compliance checklist? (18)

Q7. "Stakeholder Theory posts that a corporation owes a duty of accounting and transparency to all stakeholders affected by its operations not just its financial shareholders." Analyse the statement using the principles of Social Accounting. (18)

Q.8. A chemical company is proposing to set up a new plant in a rural area. Assess the project's viability from a social accounting perspective using the following annual estimates:

- Economic Profit from Operations: ₹ 50,00,000
- Cost of Environmental Pollution: ₹ 12,00,000
- Value of Local Infrastructure Development: ₹ 8,00,000
- Economic displacement of local agriculture: ₹ 6,00,000
- Value of indirect local employment generated: ₹ 15,00,000

- Calculate the Net Social Benefit (or Cost) of the project. 2. Determine whether the project should be approved if the government requires a Net Social Return of at least ₹ 5, 00,000 above the economic profit. (18)

प्रश्न 1. "ट्रिपल बॉटम लाइन" (टीबीएल) दृष्टिकोण के विकास का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। यह किस प्रकार कॉर्पोरेट जवाबदेही को केवल आर्थिक लाभ-अधिकतमकरण से एक व्यापक सामाजिक-पर्यावरणीय ढांचे की ओर ले जाता है? साथ ही, उदाहरण दीजिए कि कंपनियां 'लोग' और 'ग्रह' मापदंडों का आकलन कैसे करती हैं। (18)

प्रश्न 2. वित्तीय लेखांकन और सामाजिक लेखांकन में अंतर स्पष्ट कीजिए। साथ ही, किसी फर्म की समाज पर वास्तविक परिचालन लागत को दर्शाने में पारंपरिक वित्तीय विवरणों की सीमाओं पर चर्चा कीजिए। (18)

प्रश्न 3. भारतीय कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अंतर्गत कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के लिए वैधानिक प्रावधानों का मूल्यांकन कीजिए। साथ ही, प्रयोज्यता के मानदंड, अनिवार्य व्यय सीमा और बड़े समूहों के लिए "अनुपालन करें या स्पष्टीकरण दें" जनादेश के निहितार्थों की व्याख्या कीजिए। (18)

प्रश्न 4. "सामाजिक लेखापरीक्षा" की कार्यप्रणाली और रणनीतिक भूमिका पर चर्चा कीजिए। सामाजिक लेखापरीक्षा किस प्रकार प्रबंधन के लिए एक कठोर आंतरिक नियंत्रण तंत्र के रूप में कार्य करती है, न कि केवल एक बाह्य जनसंपर्क उपकरण के रूप में? (18)

प्रश्न 5. (क) सामाजिक लागत और सामाजिक लाभ को प्रासंगिक भारी उद्योग उदाहरणों के साथ परिभाषित करें। साथ ही, पर्यावरण क्षरण या सामुदायिक कल्याण को मौद्रिक मूल्य देते समय लेखाकारों को किन प्राथमिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, इस पर चर्चा करें। (18)

प्रश्न 6. सततता रिपोर्टिंग में ग्लोबल रिपोर्टिंग इनिशिएटिव (जीआरआई) मानकों की भूमिका का परीक्षण करें। क्या सामाजिक लेखांकन प्रथाओं का मानकीकरण कंपनियों द्वारा पर्यावरणीय आंकड़ों के हेरफेर को प्रभावी ढंग से रोकता है, या क्या यह सतही अनुपालन चेकलिस्ट बनकर रह जाने का जोखिम उठाता है? (18)

प्रश्न 7. "हितधारक सिद्धांत कहता है कि एक निगम का अपने संचालन से प्रभावित सभी हितधारकों के प्रति लेखांकन और पारदर्शिता का कर्तव्य होता है, न कि केवल अपने वित्तीय शेयरधारकों के प्रति।" सामाजिक लेखांकन के सिद्धांतों का उपयोग करते हुए इस कथन का विश्लेषण करें। (18)

प्रश्न 8. एक रासायनिक कंपनी ग्रामीण क्षेत्र में एक नया संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव कर रही है। निम्नलिखित वार्षिक अनुमानों का उपयोग करते हुए सामाजिक लेखांकन परिप्रेक्ष्य से परियोजना की व्यवहार्यता का आकलन करें:

• परिचालन से आर्थिक लाभ: ₹ 50,00,000

• पर्यावरण प्रदूषण की लागत: ₹ 12,00,000

• स्थानीय अवसंरचना विकास का मूल्य: ₹ 8,00,000

• स्थानीय कृषि का आर्थिक विस्थापन: ₹ 6,00,000

• सृजित अप्रत्यक्ष स्थानीय रोजगार का मूल्य: ₹ 15,00,000

• परियोजना के शुद्ध सामाजिक लाभ (या लागत) की गणना करें। 2. यह निर्धारित करें कि क्या परियोजना को मंजूरी दी जानी चाहिए यदि सरकार को आर्थिक लाभ से कम से कम ₹ 5,00,000 अधिक का शुद्ध सामाजिक प्रतिफल चाहिए। (18)